i-NEXT PAGE 4

अब एलएलबी के हर सेशन में स्टूडेंट्स करेंगे इंटर्नशिप

बार काउंसिल आफ इंडिया की गाइडलाइन के अनुसार कोर्स अपडेट

LUCKNOW (4 AUG): अब एलएलबी तीन और पांच साल के कोर्स में विद्यार्थियों के लिए हर सत्र में इंटर्नशिप करना अनिवार्य होगा. अभी तक एलएलबी तीन वर्षीय में तीसरे-पांचवें सेमेस्टर और एलएलबी पांच साल के कोर्स में पांचवें, सातवें और 9वें सेमेस्टर में ही इंटर्नशिप का प्रविधान था.

कोर्स अपडेट किया गया

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बार काउंसिल आफ इंडिया की ओर से जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार अपने कोर्स को अपडेट कर दिया है. वर्तमान सत्र 2024-25 से ही यह व्यवस्था लागू होगी.

हर सत्र के लिए अनिवार्य

लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि पहले इंटर्नशिप विषय के रूप में एलएलबी तीन वर्ष के कोर्स में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर में पेपर के रूप में लागू था. छह विषय में एक इंटर्नशिप भी थी. अब इंटर्नशिप की जगह एक अलग पेपर शामिल किया गया है. इंटर्नशिप अतिरिक्त करनी होगी. यह हर सत्र में अनिवार्य है.

नए कानून के प्रविधान भी शामिल

एक जुलाई से देश में आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किया गया. अब लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि कोर्स में भी तीनों नए कानून को भी शामिल किया गया है. बीते दिनों हुई बैठक में तैयार किए गए कोर्स को मंजूरी दी गई थी. नए कानून शामिल किए जाने से स्टूडेंट्स को कानून में हुए बदलाव के अनुसार खुद को अपडेट करने का मौका मिलेगा.

इंटर्नशिप की अवधि बढ़ी

पहले इंटर्नशिप की अवधि 21 से 30 दिन थी. इसे चार सप्ताह कर दिया गया है. स्टूडेंट्स एक सत्र में एक ही इंटर्नशिप कर सकेंगे. इसका मूल्यांकन छठे सेमेस्टर में मूट कोर्ट के साथ होगा. विद्यार्थियों को हर इंटर्नशिप की डायरी बनानी होगी. इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा.

डायरी भी बनानी होगी

इस नई व्यवस्था के अंतर्गत अब एलएलबी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में पांच इंटर्नशिप होंगी. इसका मूल्यांकन 10वें सेमेस्टर में मूट कोर्ट के साथ किया जाएगा. हर सत्र में इंटर्नशिप करके डायरी बनानी होगी. पहले सेमेस्टर से ही लागू किया जा रहा है.

एलयू के विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

एलयू के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 16 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट ताइवान बेस्ड कंपनी नैनलियू ग्रुप में हुआ. कंपनी ने विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 3.49 लाख रुपये का पैकेज आफर किया है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी. प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के आनंद उपाध्याय, निधिश त्रिपाठी, नवीन तिवारी, अभिषेक कुमार राय, अभिषेक वर्मा व देवेश सिंह राजपूत. इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग से सोनम मौर्या, उत्कर्ष मिश्रा, प्रशांत द्विवेदी, रमन प्रताप सिंह व अभय चौरसिया. मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के पंकज कुमार, आयुष चौधरी, विवेक व आदर्श सिंह. सिविल इंजीनियरिंग विभाग से रचना तिवारी का चयन हुआ है.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में तैयार किए जाएंगे पशु-पक्षियों के चिकित्सक

सरोजनीनगर में प्रस्तावित तीसरे परिसर में होगी वेटरनरी की भी पढ़ाई

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। आने वाले दिनों में लखनऊ विश्वविद्यालय में पशु-पक्षियों के चिकित्सक भी तैयार किए जाएंगे। इसके लिए लविवि वेटरनरी की पढ़ाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। सरोजनीनगर में प्रस्तावित विवि के तीसरे परिसर में इसकी पढ़ाई शुरू होगी। इसे लेकर विवि प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय का पहला परिसर बादशाह बाग में और दूसरा जानकीपुरम में है। दूसरे परिसर में काफी दिनों से कृषि की पढ़ाई शुरू करने की योजना थी, लेकिन जमीन की वजह से यह संभव नहीं हो पा रहा था। इसे देखते हुए विवि अपने तीसरे परिसर के लिए जमीन तलाश रहा था।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयास से सरोजनीनगर के पिपरसंड में जमीन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। यह भूमि कृषि संकाय खोलने के लिए जरूरी जमीन से कहीं ज्यादा है। ऐसे में अतिरिक्त जमीन पर वेटरनरी की पढ़ाई शुरू की जाएगी।

विवि में बढ़ेंगे आय के साधन

- लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य सरकार से फ्रीज बजट के रूप में सालाना 40 करोड़ रुपये मिलते हैं। यह राशि शिक्षक और कर्मचारियों के वेतन के लिए भी पूरी नहीं पड़ती है। ऐसे में विवि को अपने स्तर से खर्चे का बंदोबस्त करना होता है। सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों से होने वाली आमदनी इसका सबसे बड़ा स्रोत बनती है। एलएलबी ऑनर्स और इंजीनियरिंग जैसे पाठ्यक्रम इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। अब कृषि के साथ ही वेटरनरी की पढ़ाई शुरू होने पर आय के स्रोत बढ़ जाएंगे। वेटरनरी के दाखिले नीट के माध्यम से होते हैं। प्रदेश में इसके गिने-चुने संस्थान ही हैं।

यहां जानवरों का भी होगा उपचार

वेटरनरी की पढ़ाई शुरू करने के लिए अस्पताल खोलना भी जरूरी होता है। ऐसे में विवि में पशु-पक्षियों के लिए एक अस्पताल भी खुलेगा। सीधे तौर पर इसका फायदा क्षेत्रवासियों को मिलेगा। इस अस्पताल में पशु-पक्षियों को उपचार मिलेगा तो वहीं शोध को भी बढ़ावा मिलेगा।

चिह्नित की जा चुकी है जमीन

सरोजनीनगर क्षेत्र में तीसरे परिसर के लिए भूमि चिह्नित की जा चुकी है। इस परिसर में कृषि के साथ ही वेटरनरी की पढ़ाई शुरू की जाएगी। इससे यहां पशु-पक्षियों के चिकित्सक भी तैयार हो सकेंगे। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू के 16 छात्रों का प्लेसमेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 16 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट ताइवान बेस्ड कंपनी नैनलियू ग्रुप में हुआ। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ.हिमांशु पंडिय ने बताया कि नैनलियू कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के 6 छात्रों में आनंद उपाध्याय, निधिश त्रिपाठी, नवीन तिवारी, अभिषेक कुमार राय,अभिषेक वर्मा एवं देवेश सिंह राजपूत, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के 5 छात्रों में सोनम मौर्या, उत्कर्ष मिश्रा, प्रशांत द्विवेदी, रमन प्रताप सिंह, एवं अभय चौरसिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 4 छात्रों में पंकज कुमार ,आयुष चौधरी, विवेक एवं आदर्श सिंह एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 1 छात्रा रचना तिवारी का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर हुआ है।

JAGRAN CITY PAGE III

एलएलबी के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य

लवि के विधि संकाय ने बार काउंसिल आफ इंडिया की गाइडलाइन के अनुसार पाठ्यक्रम को अपडेट किया

जासं ● लखनऊ : अब एल.एल.बी तीन व पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को हर सत्र में इंटर्नशिप करना अनिवार्य होगा। अभी तक एल.एल.बी तीन वर्षीय में तीसरे-पांचवें सेमेस्टर और एल.एल.बी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में पांचवें, सातवें और 9वें सेमेस्टर में ही इंटर्नशिप का प्रविधान था। लवि ने बार काउंसिल आफ इंडिया की ओर से जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार पाठ्यक्रम को अपडेट कर दिया है। वर्तमान सत्र 2024-25 से ही यह व्यवस्था लागू होगी।

लवि में विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि पहले इंटर्नशिप विषय के रूप में एल.एल.बी तीन वर्ष के कोर्स में तीसरे व पांचवें सेमेस्टर में पेपर के रूप में लागू था। छह विषय में एक इंटर्नशिप भी थी। अब इंटर्नशिप की जगह एक अलग पेपर शामिल किया गया है। इंटर्नशिप अतिरिक्त करनी होगी।

इंटर्नशिप की अवधि बढ़ी : पहले इंटर्नशिप की अवधि 21 से 30 दिन थी। इसे चार सप्ताह कर दिया गया है। छात्र-छात्राएं एक सत्र में एक ही इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसका मूल्यांकन छठे सेमेस्टर में मूट कोर्ट के साथ होगा। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की डायरी बनानी होगी। इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा। एल.एल.बी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में पांच इंटर्नशिप होंगी। इसका मूल्यांकन 10वें सेमेस्टर में मूट कोर्ट के साथ होगा। सत्र में इंटर्नशिप करके डायरी बनानी होगी। पहले सेमेस्टर से ही लागू किया जा रहा है।

नए कानून के प्रविधान भी शामिल : एक जुलाई से देश में आइपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किया गया। लवि के विधि पाठ्यक्रम में भी तीनों नए कानून को भी शामिल किया गया है। बीते दिनों हुई बैठक में तैयार किए गए कोर्स को मंजूरी दी गई थी। नए कानून शामिल किए जाने से छात्र-छात्राओं को कानून में हुए बदलाव के अनुसार खुद को अपडेट करने का मौका मिलेगा।

10 अगस्त तक प्रवेश का मौका: खाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) में स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया अभी चल रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 अगस्त तक समर्थ पोर्टल से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स में भी प्रवेश के लिए आवेदन हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में बीबीए, बीसीए, एमबीए, एमसीए, बीकाम, एमकाम, एलएलएम, डिप्लोमा, बीए, एमए, बीटेक आदि की बचे हुई सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। पूरी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

साक्षात्कार आज से

लखनऊ: लवि के एम.बी.ए/एम.टी.टी.एम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पांच अगस्त से शुरू होकर नौ अगस्त तक होंगे। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से लागिन पासवर्ड के जरिए साक्षात्कार एडमिट कार्ड डाउनलोड करके निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार केंद्र पर समय पर सभी अभिलेखों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर रोल नंबर वार साक्षात्कार की तिथि व समय दिया गया है। (जासं)

विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 16 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट ताइवान बेस्ड कंपनी नैनलियू ग्रुप में हुआ। कंपनी ने विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 3.49 लाख रुपये का पैकेज आफर किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एलयू इंजीनियरिंग के 16 छात्रों को मिला नौकरी का ऑफर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव में 16 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट ताइवान बेस्ड कंपनी नैनलियू ग्रुप में हुआ। एलयू कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि नैनलियू कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छह छात्रों आनंद उपाध्याय, निधिश त्रिपाठी, नवीन तिवारी, अभिषेक कुमार राय ,अभिषेक वर्मा एवं देवेश सिंह राजपूत, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के पांच छात्रों सोनम मौर्या, उत्कर्ष मिश्रा, प्रशांत द्विवेदी, रमन प्रताप सिंह, एवं अभय चौरसिया, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 4 छात्रों पंकज कुमार, आयुष चौधरी, विवेक एवं आदर्श सिंह एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग की रचना तिवारी का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर हुआ है। कम्पनी ने चयनित छात्रों को प्रति वर्ष 3.49 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया है।

TOI PAGE 2

LU finalises ordinance for 1-yr PG programme

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: After introducing four years of undergraduate programme, Lucknow University has finalised ordinance for a one-year postgraduate programme 2024 under the National Education Policy 2020 framework. The ordinance will be tabled at an executive council meeting for its final assent shortly.

LU's one year PG programme will have a specific number of hours of teaching/guidance and laboratory, studio, workshop activities, field-based learning, projects, internships and community engagement and service. "Our one-year PG will offer two consecutive semesters — one odd and one even semester in an academic year. Each semester will consist of academic work equivalent to 90 working days. Also, there will be a Choice Based Credit System (CBCS) that provides choice for students to select from the prescribed courses, viz. core (mandatory), elective (electives are courses a student can choose, allowing one to study topics of one's interest), value-added credited intradepartmental (within own department) and interdepartmental (between departments) course," said Lucknow University vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said the one-year postgraduate degree programme will have approximately 15 weeks each for studies and two weeks for examination. The total number of credits required to be completed will be 40 for a one-year master's programme (20 per semester). Semester one will have three core courses, two elective courses and one value-added credited course which will be interdepartmental, while the second or final semester will also have three core, two elective and one interdepartmental course.

"The minimum number of lectures, tutorials, seminars and practicals, fieldwork, projects, etc, which a student shall be required to attend for eligibility to appear in the examination shall be 75%. However, in exceptional cases, the dean/ head of the faculty/ department concerned may recommend a relaxation in the minimum attendance requirement by not more than 15% on the basis of reasons and as approved by the competent authority," said dean academics Prof Geetanjali Mishra.

COURSES IN ONE-YEAR PG

Core Course | Compulsory

Elective Course | Can be chosen from pool of elective courses offered by parent dept

Foundation Course | May be offered wherever possible by dept in Sem 1.

Value-Added Credited Course | Will add value through enhanced employability skills

Interdepartmental Course | Will be open to master's students across faculty specified by dept/institute concerned. There will be allocation on merit base with capping in a particular course

MOOCs | Students may choose course of equivalent credits out of MOOCs portal of UGC, in place of two-credit course offered in semester as specified by dept

LOKSATYA PAGE 2

16 छात्रों का नैनलियू कंपनी में प्लेसमेंट

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित रिक्रूटमेंट ड्राइव मे 16 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट ताइवान बेस्ड कंपनी नैनलियू ग्रुप में हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए.के सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि नैनलियू कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के 6 छात्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के 5 छात्रों, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 4 छात्रों एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग की 1 छात्रा (रचना तिवारी) का चयन ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर हुआ है।